पायनियर
लखनऊ, मंगलवार, 2 सितम्बर, 2014

गन्ना शोध को किसानोपयोगी बनाने की जरूरत: डॉ. बलियान

शोध कार्यों का जायजा लेने गन्ना अनुसंधान संस्थान परिसर पहुंचे केन्द्रीय मंत्री

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में विकसित गन्ना उत्पादन तकनीकों का अवलोकन करने सोमवार को केन्द्रीय कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री डॉ. संजीव बलियान संस्थान परिसर पहुंचे। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन ने संस्थान द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों के संबन्ध में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही उन्हें देश में गन्ना व चीनी उद्योग को और सुदृढ़ बनाने के लिए संस्थान के भावी रणनीति से मंत्री को अवगत कराया। भ्रमण के दौरान मंत्री ने विशेष रूप से संस्थान द्वारा विकसित अधिक चीनी युक्त उन्नत प्रजातियों के संबंध में वैज्ञानिकों से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने इन प्रजातियों को किसानों के खेतों पर वृहद स्तर पर पहुंचाने के लिए सभी संभव कदम उठाने का भरोसा दिलाया। गन्ना के साथ गेहूं फसल पद्धति को सराहा तथा इस तकनीक को किसानों के लिए बहुत आवश्यक बताया। उन्होंने संस्थान में नव स्थापित जैव नियंत्रण प्रयोगशाला का अवलोकन करते हुए गन्ना रोग व नाशी कीटों के प्रबंधन के लिए विभिन्न जैव आधारित एकीकृत प्रबंधन तकनीक पर विशेष रूचि लेते हुए विस्तार पूर्वक चर्चा किया। गन्ना खेती के आधुनिक कृषि यंत्रों जैसे बुवाई मशीन, पेड़ी प्रबंधन मशीन, नाली विधि में दोहरी पंक्तियों में बुवाई यंत्र तथा गन्ना व गेंहू के साथ बुवाई यंत्रों को देखकर बहुत खुश हुए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इन यंत्रों का किसानों द्वारा प्रग्रहण बढ़ाने के लिए मंत्रालय तथा विभागों द्वारा हर संभव प्रयास तथा सहयोग किया जाएगा। उन्होंने संस्थान के विभिन्न प्रयोगशालाओं, वर्कशाप, प्रदर्शन प्रक्षेत्र तथा कृषि विज्ञान केंद्र का भी अवलोकन किया। संस्थान के प्रेक्षागृह में वैज्ञानिकों तथा कर्मचारियों को संबोधित करते हुए मंत्री कहा कि आने वाले समय में गन्ना शोध तथा विकास को और उत्कृष्ट एवं किसानोपयोगी बनाने के लिए भविष्य की रूपरेखा तैयार कर कार्य करने की जरूरत है। गन्ना किसानों तथा चीनी उद्योग के समक्ष वर्तमान समस्याओं पर मंत्री ने चिंता जाहिर किया लेकिन भविष्य के प्रति आशान्वित होते हुए समग्र समाधान के लिए वैज्ञानिकों को आगे आने का आह्वान किया।

लखनऊ

डेली न्यूज़ ऐक्टिविस्ट

लखनऊ, मंगलवार, 2 सितम्बर 2014

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री ने गन्ना अनुसंधान संस्थान का किया भ्रमण

डेली न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री डॉ. संजीव बालयान ने सोमवार को भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान का भ्रमण किया। उन्होंने संस्थान की ओर से विकसित गन्ना उत्पादन तकनीकों का अवलोकन करते हुए वैज्ञानिकों से बात की। भ्रमण के दौरान केंद्रीय मंत्री ने संस्थान द्वारा विकसित अधिक चीनी युक्त प्रजातियां कोलख 94184, कोलख 9709 और कोलख 07201 के बारे में जाना। साथ ही इन प्रजातियों को किसानों तक पहुंचाने का भरोसा दिलाया। इसके अलावा गेंहू फसल पद्धति को सराहाने के साथ ही उन्होंने इस तकनीक को किसानों के लिए अहम बताया। उन्होंने गन्ना रोग और नाशी कीटों के प्रबंधन के लिए विभिन्न जैव आधारित प्रबंधन तकनीक के बारे में भी जानकारी ली। साथ ही गन्ना खेती के आधुनिक कृषि यंत्रों जैसे बुवाई मशीन, पेड़ी प्रबंधन मशीन, नाली विधि में दोहरी पंक्तियों में बुवाई यंत्र और गन्ना-गेहूं साथ बुवाई यंत्र भी देखे। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन ने संस्थान में किए जा रहे शोध कार्यों से केंद्रीय मंत्री को रूबरू कराया।

the pioneer
LUCKNOW | TUESDAY | SEPTEMBER 2, 2014

Research work at IISR commendable, says minister

PIONEER NEWS SERVICE
LUCKNOW

Union Minister of Agriculture and Food Processing Industries, Sanjeev Balyan, during his visit to the Indian Institute of Sugarcane Research, Lucknow, on Monday reviewed the on-going research work and took the detailed information about the technologies developed at the institute.

The minister took special interest in cane varieties developed by IISR, namely CoLk 94184, CoLk 9709 and CoLk 07201 (all high sugar early maturing varieties), and appreciated the special features of the varieties. "The adoption of wheat intercrop with sugarcane under FIRB system is need of the hour, especially in western UP, to enhance profitability and productivity of wheat-sugarcane cropping system widely prevalent in west UP," the minister said. While visiting newly-established bio-control lab at IISR, Balyan discussed with the scientists in detail the different bio-agents beneficial in management of sugarcane diseases and pests, and stressed on widescale popularisation of techniques in order to curtail the use of pesticides.

"During his first-ever visit to IISR, the minister visited various laboratories and demonstration farm of the institute to observe and review the progress made by IISR in the development of various remunerative cane cultivation technologies," said Principal Scientist AK Sah. During his visit to Krishi Vigyan Kendra, the minister emphasised on efficient extension method to transfer cane technologies to sugarcane farmers with less time lag.

He also addressed the scientists and staff of the institute and appealed for more efforts for the uplift of sugarcane farmers.

आज

लखनऊ, मंगलवार, २ सितम्बर, २०१४

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान का कार्य सराहनीय-- डा. संजीव बलयान, केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री

लखनऊ, सोमवार (आज समाचार सेवा)। को केन्द्रीय कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री माननीय डा. संजीव बलयान ने भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ का भ्रमण किया। माननीय मंत्री जी ने संस्थान द्वारा विकसित गन्ना उत्पादन तकनीकों का अवलोकन करते हुए विस्तार पूर्वक विचार विमर्श किये। इस अवसर पर माननीय मंत्री जी को संस्थान के निदेशक डा. सुशील सोलोमन ने विस्तार पूर्वक संस्थान द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों पर जानकारी प्रदान किया साथ ही उन्हें देश में गन्ना व चीनी उद्योग को और सुदृढ़ बनाने के लिए संस्थान के भावी रणनीति से मंत्री को अवगत कराया। भ्रमण के दौरान मंत्री ने विशेष रूप से संस्थान द्वारा विकसित अधिक चीनी युक्त ऊनत प्रजातियां 94184, 9709 तथा 07201 पर वैज्ञानिकों से जानकारी प्राप्त किया तथा उन्होंने इन प्रजातियों को किसानों के खेतों पर वृहद स्तर पर पहुँचाने के लिए सभी संभव कदम उठाने का भरोसा दिलाया। गन्ना के साथ गेहूं फसल पद्धति को सराहा तथा इस तकनीक को किसानों के लिए बहुत आवश्यक बताया। संस्थान में नव स्थापित जैव नियंत्रण प्रयोगशाला का अवलोकन करते हुए गन्ना रोग व नाशी कीटों के प्रबंधन के लिए विभिन्न जैव आधारित एकीकृत प्रबंधन तकनीक पर विशेष रूचि लेते हुए विस्तार पूर्वक चर्चा किया। गन्ना खेती के आधुनिक कृषि यंत्रों जैसे बुवाई मशीन, पेड़ी प्रबंधन मशीन, नाली विधि में दोहरी पंक्तियों में बुवाई यंत्र तथा गन्ना- गेहूँ साथ बुवाई यंत्रों को देखकर बहुत खुश हुए तथा उन्होने भरोसा दिलाया कि इन यंत्रों का किसानों द्वारा प्रग्रहण बढ़ाने के लिए मंत्रालय तथा विभागों द्वारा हर संभव प्रयास तथा सहयोग किया जाएगा। इस अवसर पर माननीय मंत्री जी ने संस्थान के विभिन्न प्रयोगशालाओं, वर्कशाप, प्रदर्शन प्रक्षेत्र तथा कृषि विज्ञान केंद्र का भी अवलोकन किया। संस्थान के प्रेक्षागृह में वैज्ञानिकों तथा कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि गन्ना उनके दिल के काफी करीब है, इसलिए आने वाले समय में गन्ना शोध तथा विकास को और उत्कृष्ट एवं किसानोपयोगी बनाने के लिए भविष्य की रूप -रेखा तैयार कर कार्य करने की जरूरत है तथा इस कार्य में हम सब मिलकर आगे बढ़ेंगे, जिससे देश में गन्ना उत्पादकता तथा गन्ना किसानों की आमदनी निरंतर बढ़ती रहे।

अमर उजाला लखनऊ। मंगलवार। 2 सितंबर 2014

मिलों पर सख्ती करे सरकार : बालियान

गन्ना मूल्य दिलाने को कड़ी कार्रवाई हो , यूपी में नहीं लागू होंगी रंगराजन कमेटी की सिफारिशें

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री डॉ. संजीव बालियान ने किसानों को गन्ना मूल्य भुगतान दिलाने के लिए प्रदेश सरकार से चीनी मिलों पर सख्ती बरतने की सलाह दी है। उन्होंने कहा, भुगतान के लिए बैंकों से लिए 1668 करोड़ रुपये दूसरे मदों में खर्च करने वाली मिलों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। यूपी में रंगराजन कमेटी की सिफारिशों को लागू करने की मांग अव्यावहारिक है। यूपी में ये सिफारिशें लागू नहीं हो सकती।

डॉ. बालियान सोमवार को पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा, 14 अगस्त को दिल्ली में खाद्य मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित चीनी मिलों की बैठक में यूपी के प्रमुख सचिव गन्ना और केन कमिश्नर ने कहा था कि चीनी मिलों ने गन्ना मूल्य का 1668 करोड़ रुपया दूसरे मदों में खर्च कर दिया। ऐसा करने वाली मिलों पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई ? प्रदेश सरकार जोर देकर क्यों नहीं कहती कि मिलें समय से चलेंगी। प्रदेश सरकार को पेराई से इन्कार करने वाली मिलों के अधिग्रहण का अधिकार है। गन्ना मूल्य भुगतान के लिए प्रदेश सरकार को मिलों पर सख्ती बरतनी चाहिए। एक और तरीका यह भी है कि सरकार किसानों को गन्ना मूल्य अदा कर दे और मिलों के स्टॉक में रखी चीनी बेच दे। इससे किसानों का संकट खत्म हो जाएगा।

एक सवाल के जवाब में डॉ. बालियान ने कहा, यूपी में गन्ने की व्यवस्था महाराष्ट्र और कर्नाटक से अलग है। यहां रंगराजन कमेटी की रिपोर्ट लागू नहीं की जा सकती। यदि रिपोर्ट लागू हो जाएगी तो किसान गन्ने की खेती बंद कर देंगे। फिर चीनी मिलें कहां जाएंगी ? गौरतलब है, रंगराजन समिति ने गन्ना मूल्य को चीनी के रेट से जोड़ने का सुझाव दिया है। इसके सेकेंडरी प्रोडक्ट इथेनाल, एल्कोहल (शराब) को इसमें शामिल नहीं किया है। उन्होंने बताया कि वेस्ट यूपी में कृषि विविधीकरण योजना पर काम शुरू हो रहा है। इससे भी गन्ना क्षेत्रफल कम होगा। वे खांडसारी इकाइयों और कोल्हू पर लगने वाले करों की जानकारी करा रहे हैं। गन्ना किसानों को राहत देने के लिए प्रयास हो रहे हैं।

आईआईएसआर का दौरा : डॉ. बलियान ने सोमवार को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ शुगरकेन रिसर्च (आईआईएसआर) का दौरा किया। इस मौके पर निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन ने डॉ. बालियान ने संस्थान में चल रहे शोध कार्यों और यहां विकसित की गई गन्ना की उन्नत नई प्रजातियों की जानकारी दी।

यूपी सरकार नहीं करती धन का उपयोग

संजीव बालियान ने कहा कि यूपी सरकार, केंद्र के धन का उपयोग नहीं करती। यूपी में कृषि विविधिकरण योजना के 62 करोड़ रुपये पिछले साल से पड़े हैं। उनके बार-बार कहने केबावजूद यहां से प्रस्ताव नहीं भेजा गया। वह लगातार कह रहे हैं कि पशुपालन से जुड़ी योजनाओं के प्रस्ताव भेजें, केंद्र तत्काल धन देगा लेकिन कोई प्रपोजल नहीं मिला।

सॉफ्ट लोन भुगतान की गारंटी पर

बालियान ने बताया कि केंद्र सरकार ने शुगर इंडस्ट्री की तीन मांगे मान ली हैं। चौथी मांग के लिए शर्त रखी गई है। मिलों की मांग पर चीनी के निर्यात पर 3337 रुपये प्रति टन सब्सिडी दी जा रही है। चीनी पर आयात शुल्क बढ़ाकर 25 प्रतिशत कर दिया गया। पेट्रोल में 10 फीसदी इथेनाल मिलाने को मंजूरी दे दी है। उनकी चौथी मांग ब्याज मुक्त लोन की थी। इसके लिए किसानों को गन्ना मूल्य भुगतान की गारंटी मांगी गई है।

03 हिन्दुस्तान
लखनऊ •मंगलवार •02 सितम्बर 2014

कृषि राज्यमंत्री ने गन्ने के विकास का लिया जायजा

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री डॉ. संजीव बालियान ने सोमवार को भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने संस्थान के निदेशक डा. एस. सोलोमन व अन्य वैज्ञानिकों से संस्थान में गन्ने के प्रजातियों के विकास के साथ-साथ संस्थान की ओर से गन्ने की खेती के लिए विकसित आधुनिक कृषि यंत्रों की भी जानकारी प्राप्त की।

संस्थान की कार्यशाला व प्रक्षेत्र के अलावा प्रयोगशालाओं के निरीक्षण के दौरान संस्थान द्वारा विकसित चीनी युक्त उन्नत प्रजाति कोलख-91184, कोलख-9709 तथा कोलख 07201 के बारे में भी श्री बालियान ने जानकारी प्राप्त की। साथ ही गन्ने के साथ गेहूं की सहफसली खेती के लाभों की जानकारी प्राप्त कर उन्होंने किसानों के लिए इसे अत्यधिक उपयोगी बताया। श्री बालियान ने संस्थान के वैज्ञानिकों व अन्य कर्मचारियों को आश्वस्त किया कि केन्द्र सरकार संथान के उत्थान के लिए हर सम्भव सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने वैज्ञानिकों को भरोसा दिलाया कि कृषि विशेषकर गन्ने के शोध के क्षेत्र में किसी भी प्रकार की आर्थिक समस्याओं को केन्द्र सरकार दूर करेगी।

दौरा

- केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री ने किया भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान का दौरा
- गन्ने की खेती में प्रयुक्त हो रहे आधुनिक यंत्रों की भी ली जानकारी

hindustantimes | metro

HINDUSTAN TIMES, LUCKNOW
TUESDAY, SEPTEMBER 02, 2014

SANJEEV BALYAN VISITS IISR

LUCKNOW: Union minister for agriculture and food processing industries, Sanjeev Balyan visited the Indian Institute of Sugarcane Research on Monday. During his visit, he reviewed the ongoing research works of the institute and obtained detail information on the technologies developed by the institute.

The minister took special interest in the cane varieties developed by IISR. While visiting the newly established bio-control lab, scientists told Balyan about different bio-agents that were beneficial in the management of sugarcane diseases and pests. The minister stressed on widescale popularisation of the techniques to curtail the use of pesticides. **HTC**